पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 01.06.2019 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

स्वामी दीक्षानन्द जी का 101 वां जन्मोत्सव

समर्पण शोध संस्थान, सैक्टर–5, राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद में रविवार, 9 जून 2019 को प्रातः 8.30 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक मनाया जायेगा। सभी आर्य जन सपरिवार पधार कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित करें–

राकेश भटनागर
संचालक (9312210901)

वर्ष-36 अंक-01 ज्येष्ठ-2076 दयानन्दाब्द 196 01 जून से 15 जून 2019 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.06.2019, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

।। ओ३म् ।।

जहां नहीं होता कभी विश्राम, आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली

बलमुपास्व

के तत्वावधान में

डॉ. अमिता चौहान व डॉ. अशोक कु. चौहान के सान्निध्य में

विशाल युवक व्यक्तित्व विकास व चरित्र निर्माण शिविर

स्थान : ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सेक्टर–44, नोएडा

(निकट मैट्रो स्टेशन बोटेनिकल गार्डन)

उद्घाटन समारोह
शनिवार 8 जून 2019
सायं: 5.00 से 7.00 तक

समापन समारोह
रविवार 16 जून 2019
प्रातः 11.00 से 1.30 बजे तक

मुख्य अतिथि: डॉ. महेश शर्मा (केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार)

–: विशेष आकर्षण :–

युवकों द्वारा योगासन, दण्ड बैठक, लाठी, जूडो कराटे, परेड स्तूप, लेजियम, डम्बल, कमाण्डो आदि के भव्य व्यायाम प्रदर्शन

आप उद्घाटन व समापन समारोह के अवसर पर सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं

युवा निर्माण में तन, मन, धन से सहयोग प्रदान करें

दानी महानुभावों की सेवा में अपील

आप जानते ही हैं कि इन विशाल रचनात्मक आयोजनों में नौ दिन तक तीन समय के प्रात: राश तथा भोजन प्रबन्ध पर हजारों रुपये व्यय हो जाता है जो कि आपके स्नेह व सहयोग से ही पूरा होता है।

अत: आपसे अनुरोध है कि राष्ट्र निर्माण के इस यज्ञ को सफल बनाने के लिए आप अपनी ओर से, अपनी आर्य समाज या मित्रों की ओर से अधिक से अधिक सहयोग करवाने की कृपा करें। कृपया समस्त क्रास चैक/ड्राफ्ट ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली'' के नाम से भिजवाने की कृपा करें। आप अपना सहयोग खाता सं. 10205148690 एसबीआई घंटाघर, दिल्ली–110007, आई.एफ.एस कोड SBIN0001280 में सीधे जमा करवा सकते हैं। कृपया हमें 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके।

आप ऋषि लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, शुद्ध घी, रिफाइण्ड, मसाले, पाउडर दूध, सब्जी, दलिया के रूप में भी सामान भिजवाकर सहयोग कर सकते हैं।

Email: aryayouth@gmail.com, dkbhagat@gmail.com | Website: www.aryayuvakparishad.com
Phone: 9868051444, 9911404423, 9971467978, 9312223472, 9810493055, 9818530543
कार्यालय: आर्य समाज कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मंडी, दिल्ली–110007

आनन्द चौहान	अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	सौरभ गुप्ता
शिविर संरक्षक	राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामन्त्री	प्रधान शिक्षक

चुनावी परिदृश्य पहले से साफ था

— अवधेश कुमार

लोकसभा के चुनाव परिणाम बिल्कुल अपेक्षित हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग राष्ट्रीय स्तर पर विचारधारा एवं रणनीति के मामले में संगठित ईकाई के रुप में उतरा था तथा पांच-छः राज्यों को छोड़ दें तो उसका अंकगणित विपक्ष पर भारी था। इसे कम करने के लिए विपक्ष को मुद्दों और रणनीति के स्तर पर इतना सशद्र प्रहार करना चाहिए था जिससे मतदाता नए सिरे से सोचने को बाध्य हों। पूरे चुनाव अभियान में राष्ट्रीय या राज्यों के स्तर पर इस तरह का सशक्त चरित्र विपक्ष का दिखा ही नहीं। विपक्ष मोदी हराओ का राग अलापता तो रहा लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर तो छोड़िए, सभी राज्यों में संगठित भी नहीं हो सके। विपक्ष की ख्रपा से ही चुनाव का मुख्य मुद्दा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बन गए। पूरा चुनाव नरेन्द्र मोदी हटाओ बनाम नरेन्द्र मोदी को बनाए रखो में परिणत हो गया था। अन्य सारे मुद्दे उसके अंग उपांग बन गए। भाजपा और राजग यही चाहता था। मतदाताओं को प्रधानमंत्री के लिए मोदी बनाम अन्य में से चुनाव करना हो तो उसकी उंगली किस बटन को दबाती? इसे ही ध्यान रखते हुए मोदी ने मजबूत सरकार बनाम मजबूर सरकार का नारा दिया। मोदी अपने भाषणों में लोगों से अपील करते रहे कि आप जहां भी कमल पर बटन दबाएंगे वो वोट सीधे मुझे मिलेगा।

इस चुनाव अभियान के दौरान साफ दिख रहा था कि विपक्ष के प्रचार के विपरीत मोदी सरकार के विरुद्ध प्रकट सत्ता विरोधी लहर नहीं है। किसी सांसद या मंत्री के खिलाफ असंतोष अवश्य कई जगह थे, पर सरकार विरोधी तीव्र रुझान की झलक कहीं नहीं दिखी। सांसदों के सत्ता विरोधी रुझान को कम करने के लिए भाजपा ने 90 सांसदों के टिकट काट दिए। विपक्ष एव मीडिया का एक वर्ग अवश्य राष्ट्रवाद, सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों का यह कहकर उपहास उड़ाता रहा कि ये मुख्य मुद्दों से ध्यान हटाने की रणनीति है, पर आम मतदाताओं के बड़े वर्ग की भावनओं को ये मुद्दे छू रहे थे। पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान की सीमा में घुसकर हवाई बमबारी ने सम्पूर्ण देश में रोमांच का भाव पैदा किया। उससे पूरा चुनावी परिदृश्य ही बदल गया। तीसरे चरण के मतदान के पूर्व श्रीलंका में हुए भीषण आतंकवादी हमलों ने भी लोगों को यह महसूस कराया कि आतंकवाद का खतरा आसन्न है जिसे कम करके आंकना नादानी होगी। अनेक जगह लोगों का जवाब होता था कि पहले देश बचेगा तभी न बाकी चीज। लोग यह भी कहते थे कि मोदी ही है जिसने पाकिस्तान को ऐसा जवाब दिया, दूसरा कोई प्रधानमंत्री साहस ही नहीं करता। विपक्ष की नकारात्मक प्रतिक्रियाओं ने लोगों में खीझ पैदा किया। विपक्ष यदि बालाकोट पर सरकार को धन्यवाद देकर चुप हो जाता तो शायद उनके विरुद्ध मतदाताओं की इतनी तीखी प्रतिक्रिया नहीं होती। वे सेना का धन्यवाद देते हुए भी इसका उपहास उड़ाते रहे। इसी बीच एंटी सेटेलाइट मिसाइल का सफ़ल परीक्षण कर भारत विश्व की चौथी शक्ति बना। विपक्ष की प्रतिक्रिया इसमें भी सकारात्मक नहीं थी। संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा मसूद अजहर वैश्विक आतंकवादी घोषित हो गया और विपक्ष इसमें भी किंतु-परंतु करता रहा। यह विदेश नीति की बड़ी सफलता थी जिसने चीन को भी प्रस्ताव का समर्थन करने को विवश कर दिया। इस तरह नरेन्द्र मोदी की छवि प्रखर राष्ट्रवाद, सैन्य पराक्रम,राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ व्यक्ति की छवि मजबूत होती गई और विपक्ष अपनी नासमझ रणनीतियों से कमजोर पड़ता गया। लंबे समय बाद चुनाव में जम्मू कश्मीर भी एक मद्दा बना। पीडीपी से संबंध तोड़ने के बाद केन्द्र सरकार ने जिस तेजी से जम्मू कश्मीर में कटरवाद, अलगाववाद एवं आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की उससे लोगों में संदेश गया कि अगर मोदी सरकार रह गई तो कश्मीर के भारत विरोधी जेलों के अंदर होंगे, आतंकवाद खत्म होगा तथा वहां शांति स्थापित हो जाएगी। कश्मीर से धारा 35 ए हटाने की भाजपा की स्पष्ट घोषणा का भी असर हुआ। दूसरी ओर विपक्ष विशेषकर कांग्रेस के रुख से भाजपा को लाभ मिला। कांग्रेस के घोषणा पत्र से मतदाताओं के एक वर्ग को लगा कि अगर ये सत्ता में आए तो वहां सुरक्षा बलों की संख्या कम हो जाएगी, उनके अधिकार कम कर दिए जाएंगे, भारत विरोधी अलगाववादियों को फिर से महत्व मिलेगा.....। कश्मीर से नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी दोनों ने जिस तरह की अतिवादी भाषायें बोलीं उनका मोदी के पक्ष में अनुकूल प्रभाव हुआ। दोनों ने 35 ए एवं धारा 370 के हटाने से कश्मीर के भारत से अलग होने का बार-बार बयान दिया। उमर ने कश्मीर के लिए अलग से प्रधानमंत्री एवं सदर-ए-रियासत की ओर लौटने का बयान दे दिया। इन सबके खिलफ देशभर में गुस्सा पैदा हुआ जिसका भाजपा ने पूरा लाभ उठाया। कांग्रेस सहित विपक्ष के किसी नेता ने उमर के बयान का खंडन नहीं किया। फलतः भाजपा के मूल मतदाताओं में मोदी सरकार को लेकर थोड़ा-बहुत असंतोष था वो भी सक्रिय होने के लिए मजबूर हो गए हैं।

कांग्रेस सहित विपक्ष ने राफेल में भ्रष्टाचार का आरोप तथा चौकीदार चोर है के नारे को बड़ा मुद्दा बनाने की रणनीति बनाई। कांग्रेस भले इसे विजय का अस्त्र मानती रही, पर किसी सर्वेक्षण में लोगों ने नहीं कहा कि राफेल या भ्रष्टाचार उनके लिए मुद्दा है। मोदी रक्षा सौदे में दलाली लेंगे इस पर जनता में उनके विरोधी भी विश्वास करने को तैयार नहीं थे। तीसरे चरण के मतदान के पूर्व ही राहुल गांधी द्वारा उच्चतम न्यायालय को आधार बनाकर चौकीदार चोर है का दिया गया बयान बैक फायर कर गया। यह छठे चरण तक उच्चतम न्यायालय में क्षमा मांगने से बचने की बयानबाजी और अंततः गलती स्वीकार करते हुए क्षमा मांगने तक चलता रहा। चुनाव प्रक्रिया के बीच इतनी बड़ी घटना का असर होना ही था। मोदी ने चौकीदार चोर है के समानांतर मैं भी चौकीदार का नारा देकर इसे अभियान का प्रमुख अंग बना दिया। मोदी पर विपक्ष गरीबों की अनदेखी करने, किसानों के लिए कुछ न करने, रोजगार के अवसर पैदा न करने तथा आर्थिक मोर्चे पर नाकामियों का आरोप लगाता रहा। इनका थोड़ा असर हुआ होगा। किंतु प्रधानमंत्री आवास योजना से जिसका घर बना, जिसके घर में बिजली लगी, जिसे रसोई गैस मिला, जिसे मुद्रा योजना से कर्ज प्राप्त हुआ, जिस किसान के लिए सिंचाई सुविधा सुलभ हुई है, जिसे बिजली प्राप्त हो रही है, डीजल पंप की जगह जिसे सोलर पंप मिल गया, जिसे स्वायल हेल्थ कार्ड मिला, जिसे पशुपालन के लिए कर्ज और सब्सिडी मिल चुकी थी,... वो सब प्रचार से प्रभावित नहीं हो सकते थे। धरातल पर नजर रखने वाले समझ रहे थे कि नरेन्द्र मोदी को लेकर जबरदस्त अंतर्धारा है। हां, मोदी नाम ऐसा है जिसके पक्ष में यदि धारा हो तो विपक्ष में भी होता है। तो मोदी को बनाए रखने एवं मोदी को हटाने दोनों के पक्षधर मतदाता निकलते रहे लेकिन पहली श्रेणी के मतदाता भारी पड़ गए। 2014 में 2009 की तुलना में आठ प्रतिशत से ज्यादा ऐतिहासिक मतदान हुआ था। इस बार यदि मतदान उससे भी बढ़कर रिकक्कड 67.1 प्रतिश हुआ तो सफ़ है कि मतदाताओं में सरकार को लेकर वैसी निराशा नहीं थी जैसी विपक्ष प्रचारित करता रहा। कुछ राज्यों में तो पिछले कई वर्ष का रिकॉर्ड टूट गया। इनमें भाजपा प्रभाव वाले गुजरात, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान शामिल हैं। मध्यप्रदेश में तो 9.59 प्रतिशत ज्यादा मतदान हुआ। 2017 में गुजरात तथा 2018 में इन दोनों राज्यों में पराजय के बाद ही अमित शाह ने ऑपरेशन आरंभ कर दिया था। भाजपा की रणनीति थी कि मतदान का प्रतिशत बढ़ाना है और उसमें ये सफल रहे। उत्तर प्रदेश में सपा-बसपा-रालोद गठजोड़ भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती दिख रही थी लेकिन किया हस्र हुआ सामने है। इनकी एकजुटता ने भी भाजपा को ज्यादा सजग और व्यवस्थित होकर मुकाबला करने को प्रेरित किया। यही स्थिति दक्षिण के राज्य कर्नाटक में भी थी। जद-से एवं कांग्रेस के गठबंधन ने भाजपा को ज्यादा संगठित और सक्रिय किया। पश्चिम बंगाल में तृणमूल के नेता-कार्यकर्ता कड़ी चुनौती मिलने के कारण ही हिंसा कर रहे थे। पश्चिम बंगाल के बाद उड़ीसा को भाजपा ने केन्द्र बनाया था। मोदी और शाह दोनों ने उत्तर प्रदेश के बाद सबसे ज्यादा सभायें इन्हीं दोनों राज्यों में किए। महाराष्ट्र को लेकर जो थोड़ी आशंका थी वो भी कमजोर पड़ गई। भाजपा एवं शिवसेना के नेताओं-कार्यकर्ताओं में जैसी एकता दिखी उससे लगा ही नहीं कुछ महीने पहले तक इनके बीच कटुता भी थी। शिवसेना को आभास हो गया कि मोदी का नाम ही उनको वैतरणी पार करा सकता है।

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि विपक्ष ने इस चुनाव को नरेन्द्र मोदी के लिए मत सर्वेक्षण का मतदान बना दिया था और यह बड़ी चूक थी। परिणाम बता रहा है कि लोगों ने उनको हाथों-हाथ लिया है। इस जनादेश के कई अर्थ लगाए जा सकते हैं। मसलन, यह एक ओर यदि राष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकवाद, कश्मीर तथा पाकिस्तान के प्रति नीतियों में निरंतरता बनाए रखने के पक्ष में है तो दूसरी ओर विकास नीतियों को ज्यादा मानवीय एवं तीव्र बनाने की अपेक्षायें भी लिए हुए है। विपक्ष विशेषकर कांग्रेस को समझना होगा कि किसी एक व्यक्ति के खिलाफ निंदा और विरोध की अतिवादिता से उसका सत्ता तक पहुंचने का सपना पूरा नहीं हो सकता।

-ई:30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्ली:110092,
दूरभाष: 01122483408, 9811027208

राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य के आगामी कार्यक्रम

(1) शनिवार, 8 जून 2019, सायं 5 बजे, राष्ट्रीय शिविर उद्घाटन, ऐमिटी कैम्पस,सैक्टर-44,नोएडा. **(2) रविवार, 9 जून 2019,** प्रातः 10 बजे, स्वामी दीक्षानन्द जन्मोत्सव, समर्पण शोध संस्थान, राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद व **(3) सायं 5 बजे,** शिविर समापन समारोह, सैनी सी.सै. स्कुल, भारत कालोनी, फरीदाबाद **(4) रविवार, 16 जून** प्रातः 11 बजे, शिविर समापन, ऐमिटी कैम्पस, सैक्टर-44, नोएडा **(5) वीरवार, 20 जून** प्रातः 11 बजे, शिविर समापन समारोह, संस्कार भवन, जी.एल.सैनी कालेज, केसर नगर चौराहा, रामपुरा रोड़, जयपुर, राजस्थान **(6) रविवार, 23 जून 2019,** प्रातः 10 बजे, शिविर समापन समारोह, आर्य समाज,सैक्टर-6, करनाल,हरियाणा **(7) मंगलवार, 25 जून 2019,** शिविर समापन समारोह,आर्य समाज, जानीपुर कालोनी,जम्मू(जम्मु-कश्मीर)

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. स्वामी दिव्यानन्द जी (योगधाम, हरिद्वार) का निधन।
2. श्री रमेश आर्य (मन्त्री, आर्य समाज, लाजपत नगर, साहिबाबाद) का निधन।
3. श्रीमती वेदरानी अरोड़ा (आर्य समाज, प्रशांत विहार, दिल्ली) का निधन।

योगधाम, ज्वालापुर के योग प्रचारक ऋषिभक्त स्वामी दिव्यानन्द नहीं रहे

–मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून

आर्यसमाज के उच्च कोटि के विद्वान एवं नेता स्वामी दिव्यानन्द सरस्वती जी, योगधाम, ज्वालापुर–हरिद्वार अब नहीं रहे। आज प्रातः 9.00 बजे उनका देहावसान हो गया। यह जानकारी हमें कुछ समय पूर्व वैदिक साधन आश्रम, तपोवन–देहरादून के मंत्री श्री प्रेमप्रकाश शर्मा जी ने दूरभाष पर दी है। उन्होंने बताया कि उनकी अन्त्येष्टि कल हरिद्वार के कनखल स्थित श्मशान घाट पर की जायेगी। स्वामी दिव्यानन्द जी विगत काफी समय से रुग्ण चल रहे थे और उनका शरीर काफी कृषकाय हो गया था। स्वामी जी वैदिक साधन आश्रम तपोवन के संरक्षक थे। वह कई दशकों से यहां प्रत्येक वर्ष आते थे। यहां यज्ञों के ब्रह्मा बनते थे और यहां सभी उत्सवों पर आयोजित होने वाले वेद पारायण यज्ञों में याज्ञिकों को अपना आशीवाद देने सहित वेदोपदेश भी करते थे। हमने अपने जीवन में योगधाम सहित अनेक स्थानों पर स्वामी दिव्यानन्द जी के उपदेशों को सुना है और उनसे वार्तालाप करने सहित उनका साक्षात्कार लेकर उसे लेख के माध्यम से प्रस्तुत भी किया है। उनके दिवंगत होने से वैदिक धर्म का एक प्रभावशाली विद्वान प्रचारक और ऋषि भक्त कम हो गया है। अब हम उनके आशीर्वाद, प्रेरणादायक वचनों एवं प्रवचनों से वंचित हो गये हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि ईश्वर स्वामी दिव्यानन्द जी की पुण्य आत्मा को सद्गति एवं शान्ति प्रदान करे। उनकी अनुपस्थिति में योगधाम का कार्य पूर्ववत् चलता रहे, यह हमारी कामना है।

स्वामी दिव्यानन्द सरस्वती जी का जन्म उत्तर प्रदेश राज्य के मैनपुरी जनपद के ग्राम देवनगर में 12 अप्रैल, सन् 1939 को हुआ था। स्वामी जीको कुल 80 वर्षों की आयु प्राप्त हुई। संन्यास से पूर्व उनका नाम योगेन्द्र पुरुषार्थी था। आपने क्षेत्रीय इन्टर कालेज सिरसागंज से कक्षा 12 की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। इसके बाद बाद अपने हरयाणा राज्य के प्रसिद्ध गुरुकुल–झज्जर में शिक्षा प्राप्त की। यहां गुरुकुल में रहकर आपने व्याकरणाचार्य, दर्शनाचार्य एवं वेदाचार्य आदि उपाधियां प्राप्त कीं। आपने हरिद्वार के गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय से वैदिक साहित्य विषय लेकर एम0ए0 किया था। आपने दर्शन शास्त्र में भी एम0ए0 किया था। वेदों में योग विद्या विषय में आपने पी0एच–डी0 प्राप्त की थी। प्रसिद्ध आर्य विद्वान एवं बाल रोग विशेयज्ञ डॉ0 विवेक आर्य, दिल्ली ने बताया है कि उन्होंने स्वामी जी के शोध प्रबन्ध वा ग्रन्थ को पढ़ा है। प्रसिद्ध आर्य विद्वान श्री भावेश मिरजा, भरुच ने भी स्वामी दिव्यानन्द सरस्वती जी को श्रद्धाजंलि अर्पित की है। स्वामी पातजंल योग धाम ज्वालापुर–हरिद्वार के अध्यक्ष थे। इसके अतिरिक्त आप महर्षि दयानन्द योग धान, फरीदाबाद तथा विरक्त मंडल, हरिद्वार के भी अध्यक्ष थे। देहरादून के वैदिक साधन आश्रम तपोवन के आप संरक्षक पद पर थे। स्वामी जी ने वेद प्रचारार्थ मारीशस एवं कुछ अन्य देशों की यात्रायें भी की थीं। स्वामी दिव्यानन्द जी योग के प्रचार व प्रसार के लिए सर्वात्मा समर्पित थे। हम उनके अनेक शिष्यों से परिचित हैं। इनमें हरयाणा निवासी एक श्री अमर मुनि जी भी हैं। वह आयुवृद्ध वानप्रस्थी योगसाधक हैं और इन्होंने योग एवं उपासना के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं। हमने एक बार तपोवन आश्रम में इनका साक्षात्कार भी किया था और इसकी एक वीडियो भी तैयार की थी। इस अवसर पर इन्होंने हमें योग की अपनी कुछ उपलब्धियों के बारे में कुछ विस्तार से बताया था। श्री अमर मुनि जी विगत कुछ वर्षों से वैदिक साधन आश्रम के उत्सव में नहीं आ पा रहे हैं। इसका कारण उनके स्वास्थय का अनुकूल न होना हो सकता है। हमारे एक निकट मित्र श्री ललित मोहन पाण्डे जी ने भी ज्वालापुर में योगधाम में रहकर स्वामी दिव्यानन्द जी से योगाभ्यास व योग साधना का प्रशिक्षण लिया है। आपने योग दर्शन को भी हृदयगंम किया है। जब भी योग व ध्यान आदि की चर्चा आती है तो आप योग के सूत्र व उनकी व्याख्या कर हमारा मार्ग दर्शन करते हैं। स्वामी जी के रोग की स्थिति में ही एक वर्ष पूर्व हमने श्री ललित मोहन पाण्डे जी की उपस्थिति में स्वामी दिव्यानन्द जी का साक्षात्कार लिया था। इस वार्तालाप में यह बात सामने आयी थी कि स्वामी जी ने अपने जीवन में बहुत कठोर परिश्रम वा तप किया है तथा वह शरीर को विश्राम बहुत कम देते थे। वार्ता में यह भी बताया गया था कि स्वामी जी दिन व रात की यात्रा कर कार्यक्रमों पर पहुंचते थे और बिना विश्राम किये ही मंच पर जा कर अपना व्याख्यान व प्रशिक्षण आरम्भ कर दिया करते थे। स्वामी जी ने भी स्वास्थ्य बिगड़ने के पीछे इस बात को सही माना था। अब स्वामी जी नहीं हैं। उनकी स्मृतियां ही हमारे सम्मुख हैं। हमें उनकी शिक्षाओं का पालन करना है। उनके साहित्य का अध्ययन कर उससे लाभ उठाना है और इसके साथ ही अपने जीवन में स्वास्थ्य के नियमों का पालन भी करना है।

एक बार पुनः हम स्वामी दिव्यानन्द जी पावन स्मृति को नमन करते हैं और उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को सद्गति वा शान्ति प्रदान करें।

196 चुक्खूवाला–2, देहरादून–248001, फोनः09412985121

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के आगामी शिविर

मातृ पितृ भक्त, ईश्वर भक्त, देशभक्त, चरित्रवान युवा पीढ़ी के निर्माण का अभियान

ओ३म् बलमुपास्व

1. हरियाणा प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर
बुधवार 19 जून से रविवार 23 जून 2019 तक
स्थानः आर्य समाज, सेक्टर-6, करनाल
स्वतन्त्र कुकरेजा-9813041360, अजय आर्य-9416128075, रोशन आर्य-9812020862

2. राजस्थान प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर
शुक्रवार 14 जून से वीरवार 20 जून 2019 तक
संस्कार भवन, जी.एल. सैनी कॉलेज, केसर नगर चौराहा, रामपुरा रोड जयपुर
सम्पर्कः यशपाल यश, प्रान्तीय अध्यक्ष-9414360248

3. कैथल युवक निर्माण शिविर
बुधवार 5 जून से बुधवार 12 जून 2019 तक
स्थानः आर्य विद्यापीठ स्कूल, पबनावा, जिला कैथल
सम्पर्कः आचार्य राजेश्वर मुनि-9896960064, कमल आर्य 9068058200

4. पलवल युवक निर्माण शिविर
सोमवार 3 जून से रविवार 9 जून 2019 तक
स्थानः आर्य समाज, जवाहर नगर, पलवल, हरियाणा
सम्पर्कः स्वामी श्रद्धानन्द जी-9416267482

5. जम्मू-कश्मीर युवक निर्माण शिविर
सोमवार 17 जून से मंगलवार 25 जून 2019 तक
स्थान : आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू
श्री सुभाष बब्बर-09419301915, रमेश खजुरिया-9797384053

6. उत्तराखण्ड योग-आयुर्वेद-प्राकृतिक चिकित्सा शिविर
मंगलवार 4 जून से रविवार 9 जून 2019 तक
स्थान : गुरुकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार, पौढ़ी गढ़वाल
सम्पर्कः ब्र. विश्वपाल जयन्त-09837162511, संजय रावत-9084724491

7. यमुना नगर युवा प्रेरणा सम्मेलन
शुक्रवार 28 जून से रविवार 30 जून 2019 तक
स्थानः सत्यार्थ भवन, रादौर, जिला यमुना नगर, हरियाणा
संयोजकः सौरभ आर्य -9813739000

8. फरीदाबाद युवक चरित्र निर्माण शिविर
रविवार 2 जून से रविवार 9 जून 2019 तक
स्थानः सैनी सीनियर सै. स्कूल, भारत कालोनी, फरीदाबाद
संयोजकः जितेन्द्र सिंह आर्य -9210038065, वीरेन्द्र योगाचार्य-9350615369

अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	रामकुमार सिंह	यशोवीर आर्य	गवेन्द्र शास्त्री	धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय बौद्धिकाध्यक्ष	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9868051444	7703922101	9868064422	9312223472	9810884124	9871581398

केन्द्रीय कार्यालयः आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, फोन-7550568450, 9958889970

Email: aryayouth@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com Join-http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

दिल्ली आर्य कन्या व्यक्तित्व विकास शिविर सफलता पूर्वक सम्पन्न

उपमहापौर योगेश वर्मा का अभिनन्न करते अनिल आर्य,उर्मिला आर्या,राजरानी अग्रवाल,प्रवीन आर्या,प्रेम कुमार सचदेवा व द्वितीय चित्र–समाजसेवी कमल मोंगा का स्वागत करते उर्मिला आर्या,प्रवीन आर्या व उषा आहुजा।

केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश के तत्वावधान में आठ दिवसीय आर्य कन्या शिविर रविवार, 19 मई से रविवार, 26 मई 2019 तक गीता भारती स्कुल,अशोक विहार, फेज–2,दिल्ली में शिक्षाविद प्रि.राजरानी अग्रवाल के सान्निध्य में सम्पन्न हो गया। शिविर का कुशल संचालन प्रदेश अध्यक्षा उर्मिला आर्या ने किया व देवेन्द्र गोयल, डा. सुषमा आर्या, अनिता कुमार, सुषमा पाहुजा, विजय हंस, यश चौधरी, आशा भटनागर, कविता आर्या, उषा आहुजा,कमल मोंगा, निर्मला जावा, मनीषा ग्रोवर, अन्जु जावा,अल्का अग्रवाल, संगीता आर्या आदि ने पूरा सहयोग प्रदान किया। व्यायामाचार्य सौरभ गुप्ता के निर्देशन में कु.प्रगति, पिकी, करूणा ने प्रशिक्षण प्रदान किया ।आचार्या प्रगति शास्त्री के प्रवचनों का सभी ने लाभ उठाया।

समापन समारोह में परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने समाज व राष्ट्र निर्माण में बालिकाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। पूर्व विधायक डा.महेन्द्र नागपाल, उपमहापौर योगेश वर्मा, पार्षद मन्जु खण्डेलवाल, ओम सपरा, प्रेम सचदेवा, सत्यपाल गांधी, नरेन्द्र कस्तुरिया, नरेन्द्र सुमन, गवेन्द्र शास्त्री, महेन्द्र भाई, यशोवीर आर्य, रामकुमार आर्य, देवेन्द्र भगत, बृजमोहन गर्ग, राजीव आर्य, मनीषा ग्रोवर, नीता खन्ना, मीना आर्या, वीना बत्रा आदि अनेकों आर्य जनों ने पधार कर बच्चों को आशीर्वाद प्रदान किया। ऋषि लंगर का आनन्द लेकर सभी उत्साह पूर्वक विदा हुए।

''अबला नहीं–सबला हैं हम'' शिविर समापन समारोह में आर्य बालिकायें जयघोष करते हुए

स्वामी दीक्षानन्द जी का 16 वां स्मृति दिवस तपोवन आश्रम,देहरादून में सम्पन्न

रविवार, 19 मई 2019, वैदिक साधन आश्रम,तपोवन, देहरादून का वार्षिक यज्ञ व अग्निहोत्री धर्मार्थ ट्रस्ट के तत्वावधान में स्वामी दीक्षानन्द जी का 16 वां स्मृति दिवस सोल्लास सम्पन्न हुआ। स्वामी चितेश्वरानन्द जी यज्ञ के ब्रह्मा रहे व आगरा से पधारे आचार्य उमेश कुलश्रेष्ठ,आचार्य आशीष जी के प्रवचन हुए,पं. सत्यपाल पथिक,पं.रमेशचन्द स्नेही,पं.रूबेलसिंह आर्य,प्रवीन आर्या,मीनाक्षी पवार आदि के मधुर भजन हुए। मुनि शैलेष जी ने यज्ञ संचालन व सुश्री सुनीता बुद्दिराजा ने समारोह का संचालन किया। आश्रम के मंत्री प्रेमप्रकाश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

उपरोक्त चित्र में–परिषद् अध्यक्ष अनिल आर्य का अभिनन्दन करते हीरो ग्रुप के श्री योगेश मुन्जाल,शैलेश मुनि,प्रवीन आर्या व आचार्या अन्नपूर्णा जी। द्वितीय चित्र–राष्ट्रीय कवि प्रो.सारस्वतमोहन मनीषी का अभिनन्दन करते सुनीता बुद्दिराज,आचार्य आशीष जी,स्वामी चितेश्वरानन्द जी,योगेश मुन्जाल व अनिल आर्य। आश्रम के प्रधान दर्शन अग्निहोत्री अस्वस्थ होने के कारण तपोवन नहीं आ पाये,उनका मोबाईल द्वारा सन्देश प्रसारित किया गया । दिल्ली से लगभग 200 आर्य जन सम्मिलित हुए। दिल्ली से अरूण आर्य के संयोजन में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 20 आर्य युवकों ने पंहुच कर व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया।

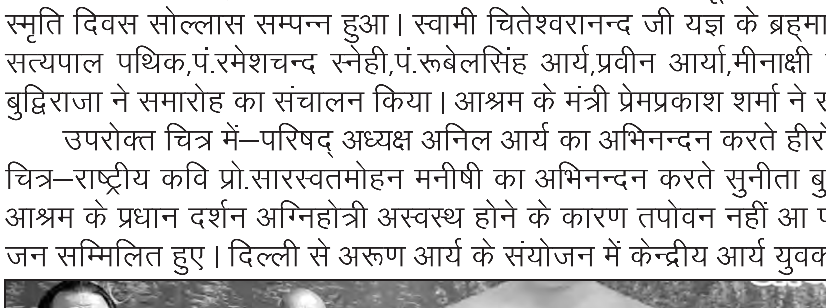
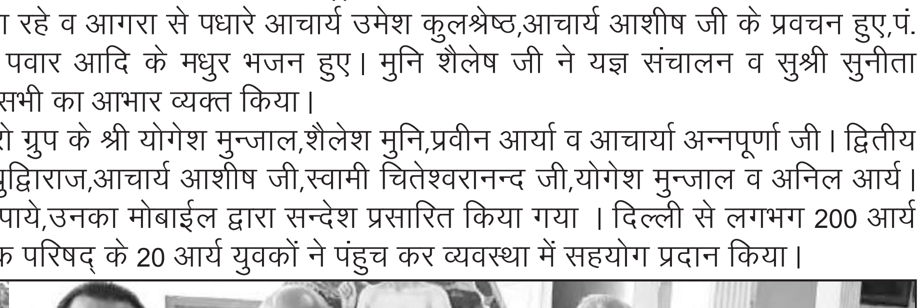

पं.सत्यपाल पथिक रचित ''दयानन्द चालिसा'' का विमोचन करते हुए अनिल आर्य,पं.सत्यपाल पथिक,स्वामी चितेश्वरानन्द जी,प्रवीन आर्या,सरोज आर्या(हरिद्वार),पं.उमेश कुलश्रेष्ठ(आगरा) । द्वितीय चित्र–पं.रूबेलसिंह आर्य भजनोपदेशक का अभिनन्दन करते हुए अनिल आर्य,विजय आर्य(कीरतपुर),योगेश मुन्जाल,प्रेमप्रकाश शर्मा व विनेश आहुजा ।

एक ऐसा समाचार पत्र जो कभी रूका नहीं युवा उद्घोष के 35 वर्ष पूर्ण और 36 वें वर्ष में प्रवेश हार्दिक आभार

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970